## चतुर्थ चरण, कार्यक्रम- 09

### दस दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

# शोध में मात्रात्मक एवं गुणात्मक उपागम

(Quantitative and Qualitative Approaches in Research)

**18-28 नवम्बर 2020 तक**

## संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में **'शोध में मात्रात्मक एवं गुणात्मक उपागम'** विषय पर नौवें दस दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 से 28 नवम्बर, 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध अभिकल्पों, विधियों, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण में अन्तर्दृष्टि प्रदान कराना और शोध कौशल एवं कुशलताओं को अभिवृद्ध करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त **पद्मश्री चमूकृष्ण शास्त्री** (संस्थापक, स्पीक संस्कृत मूमेंट, नई दिल्ली) के द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा दिया गया तथा **प्रो. के भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 55 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन सत्र, प्रबोधन सत्र, 29 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 10 स्वाभ्यास सत्र, 01 ऑनलाइन आकलन सत्र, प्रतिपुष्टि सत्र, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 226 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 203 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 174 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 140 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 34 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सकें। 140 प्रतिभागियों में भारत के 20 राज्यों एवं 03 केंद्र शासित प्रदेशों से 139 तथा भारत के बाहर सऊदी अरब से 01 प्रतिभागी रहे। 20 राज्यों में आंध्र प्रदेश से 05, असम से 02, बिहार से 05, गोवा से 02, गुजरात से 02, हरियाणा से 04, हिमाचल प्रदेश से 01, झारखंड से 02, कर्नाटक से 04, केरला 01, महाराष्ट्र से 14, ओडिशा से 07, पंजाब से 09, राजस्थान से 12, तमिलनाडु से 02, तेलंगाना 01, त्रिपुरा 01, उत्तर प्रदेश से 34, उत्तराखंड से 07, पश्चिम बंगाल से 05 तथा 03 केंद्र शासित प्रदेशों में अण्डमान एवं निकोबार से 01, दिल्ली से 17, चण्डीगढ़ से 01 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **19 विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में मुख्य विषय के रूप में- शैक्षिक शोध- मात्रात्मक एवं गुणात्मक उपागम, शोध समस्या एवं परिकल्पना निरूपण, शोध प्रक्रिया में सोपान, सम्बन्धित साहित्य का पुनर्निरीक्षण और डिजिटल तकनीकी द्वारा, शोध विधियाँ - प्रायोगिक कार्योत्तर, सर्वेक्षण, वर्णनात्मक, कथनात्मक, प्रजातिक, ऐतिहासिक, मूल्यांकन, दार्शनिक, व्यष्टि अध्ययन, ग्राउन्डेड सिद्धान्त, प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्शन विधियाँ, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण प्रविधियाँ, शोध रिपोर्ट एवं प्रस्ताव लेखन। तकनीकी सत्रों में लिये गये विषयों के आधार पर प्रतिभागियों को **10 विकल्पाधारित दत्तकार्य** दिये गये जिसमें से 5 दत्तकार्य अनिवार्य थे। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में **55% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **75%, 22%, 03% एवं 00%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **82% उत्कृष्ट, 16%, अति उत्तम 02% उत्तम एवं 00% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **डॉ. शकीला टी. शमसु** (पूर्व ओएसडी, (एनईपी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्ति पाठ के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।